केंद्रीय विवि. मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर प्रेमचंद एवं भारतीय समाज विषय पर व्याख्यान का आयोजन

प्रेमचंद जनता के प्रिय रचनाकार : प्रो गोपेश्वर

मुख्य संवाददाता @ रांची

दिल्ली विवि के प्राध्यापक व आलोचक प्रो गोपेश्वर सिंह ने कहा कि जनता के प्रिय रचनाकार प्रेमचंद हैं. प्रेमचंद को याद करना समाज की रचनात्मक ताकत को पहचान कर याद करना है. प्रो सिंह मंगलवार को केंद्रीय विवि, झारखंड के ब्रांबे स्थित परिसर में हिंदी विभाग द्वारा प्रेमचंद की जयंती पर प्रेमचंद एवं भारतीय समाज विषय पर आयोजित व्याख्यान में बोल रहे थे.

प्रो सिंह ने कहा कि आत्मकेंद्रित ज्ञान से बाहर आने की जरूरत है. प्रेमचंद की रचनाएं और उनके किरदार समाज एवं जीवन की वास्तविकता को पहचानने में सहायता करते हैं. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने साहित्य को समाज और संवेदना की रक्षा करने वाला बताया. जीवन के सार्थक निर्माण में साहित्य की भूमिका को अनिवार्य बताया. कुलपति ने नवोदित हिंदी विभाग को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं.

इससे पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ रत्नेश विश्वतसेन ने कहा कि संवेदना के निम्नतम पायदान पर खड़े मनुष्य और मनुष्य जाति को मलबे में बदलने से रोकने के लिए प्रेमचंद पर बात करना जरूरी है. आगंतुकों का स्वागत सारंग मेधेकर ने व स्वागत डॉ मनोज कुमार ने किया. इस अवसर पर विवि के रजिस्ट्रार, वित्त अधिकारी, पुस्कलायाध्यक्ष; संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे. कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ विमल, डॉ तासी, डॉ सुधांशु, सुशांत, शाकिर, मुकेश का अहम योगदान रहा. यह जानकारी पीआरओ नरेंद्र ने दी.

हमसब को आत्मकेंद्रित ज्ञान से बाहर आने की जरूरत है

कार्यक्रम में दिल्ली विवि के प्राध्यापक प्रो गोपेश्वर सिंह, कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु व अन्य अतिथि.

गुरुनानक स्कूल

रांची. गुरुनानक स्कूल में मंगलवार को मुंशी प्रेमचंद की 139वीं जयंती मनायी गयी. इस मौके पर कक्षा 11वीं के अजीत कुमार, रिया सिंह, कुमार प्रभाकर व 12वीं के मनमीत कौर ने प्रेमचंद के जीवन, साहित्य, कहानियों, उपन्यास तथा उनके विषय वस्तु पर प्रकाश डाला. प्रेमचंद की कहानी बेटों वाली विधवा का नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत किया. इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव सरदार राजेंद्र सिंह व प्राचार्य डॉ मनोहर लाल ने कहा कि प्रेमचंद का जीवन संघर्षों से परिपूर्ण रहा है. हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए.

ब्रिजफोर्ड स्कूल

रांची. ब्रिजफोर्ड स्कूल में मंगलवार को प्रेमचंद की जयंती मनायी गयी. विद्यार्थियों ने अभिनय, चित्रांकन, भाषण व कविता के माध्यम से प्रेमचंद की जीवनी पर प्रकाश डाला. विद्यार्थियों ने प्रेमचंद के सादा जीवन, उच्च विचार को आत्मसात करने का प्रण लिया. विद्यार्थियों ने आनंदी और्प धनिया के चरित्र के साथ-साथ जुमन, अगलू, हलकू पात्र के बारे में भी बताया. प्राचार्या सीमा चितलांगिया ने कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों में हमारे समृद्ध साहित्य के प्रति रुझान बढ़ेगा एवं उनमें पठन शक्ति का विकास होगा.

लेडी केसी रॉय स्कूल

रांची. लेडी केसी रॉय मेमोरियल स्कूल में मंगलवार को मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनायी गयी. इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्रेमचंद की लघु नाटिका बूढ़ी काकी का मंचन किया. नाटिका के माध्यम से बच्चों ने संदेश दिया कि माता-माता-पिता, दादा-दादी तथा अपने से बड़ों की सेवा और उनका सम्मान करना चाहिए. इस अवसर पर कक्षा पांचवीं की निशा कुमारी, सताक्षी कुमारी ने प्रेमचंद के जीवन पर प्रकाश डाला. शिक्षिका समिता कुमारी ने प्रेमचंद की जीवनी व उपलब्धियों के बारे में बताया. इस अवसर पर प्राचार्य केके दास, स्कूल के निदेशक प्रणव राय उपस्थित थे.

रांची वीमेंस कॉलेज

रांची. रांची वीमेंस कॉलेज हिंदी विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को प्रेमचंद की 138वीं जयंती मनायी गयी. इस अवसर पर संगोष्ठी हुई. इसमें छात्राओं ने प्रेमचंद की रचनाओं पर अपने-अपने विचार व्यक्त किये. विभागाध्यक्ष डॉ किरण तिवारी ने प्रेमचंद की रचनाओं की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर डॉ माधुरी रजक, डॉ सुनीता यादव, डॉ उर्वशी, डॉ प्रज्ञा तथा डॉ सुनीता कुमारी ने भी अपने विचार रखे. कार्यक्रम में प्रेमचंद की कालजयी कृति कफन पर आधारित फिल्म भी दिखायी गयी. छात्रा आरती कुमारी ने प्रेमचंद के जीवन व रचनाओं पर प्रकाश डाला. सुषमा कच्छप ने उनकी कहानी बूढ़ी काकी की सार्थक समीक्षा की. दिव्या ने प्रेमचंद के उपन्यासों पर अपनी बातें रखीं.

मौलाना आजाद कॉलेज

रांची. प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष्य में मौलाना आजाद कॉलेम में भाषण प्रतियोगिता हुई, जिसमें जयंती शर्मा को प्रथम, पुष्पा शर्मा को द्वितीय व फातिमा परवीन को तृतीय पुरस्कार मिला. जैनब नाज व गुलअफशा परवीन को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया. वक्ताओं ने मुंशी प्रेमचंद को यथार्थवादी साहित्यकार, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रीय साहित्य के अद्वितीय रचनाकार व हिंदी साहित्य का सिरमौर बताया. कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ मालती शर्मा ने की. मौके पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ अनिता सिन्हा, प्राध्यापक इलियास मजीद, डॉ अनवर अली, प्रो शाहिन सबा, डॉ अशरफ हुसैन, परवेज आलम आदि मौजूद थे